

डीआरडीओ समाचार



75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

ISSN: 0971-4405

www.drdo.gov.in

“बलस्य मूलं विज्ञानम्”

वैशाख - ज्येष्ठ शक 1943, मई 2022 खण्ड 34 अंक 05

डीआरडीओ द्वारा मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाले प्रक्षेपास्त्र का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण



प्रकाशन का 34वां वर्ष

मुख्य संपादक : डॉ. के नागेश्वर राव
प्रबंध संपादक : अलका बंसल
संपादक : अजय कुमार
संपादकीय सहायक : धर्म वीर
अनुवाद : सुनील कुमार दुबे



डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्वरआर कोड स्कैन करें

हमारे संवाददाता

- अहमदनगर :** कर्नल अतुल आप्ते, श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
- अंबरनाथ :** डॉ. सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
- चांदीपुर :** श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
- बेंगलूरु :** श्री सतपाल सिंह तोमर, वैज्ञानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई); श्रीमती एम. आर. भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स); श्रीमती फहीमा एजीजे, कृत्रिम आसूचना एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर); सुश्री तृप्ति रानी बोस, सैन्य उडनयोग्यता एवं प्रमाणीकरण केंद्र (सेमीलेक); डॉ. जोसेफिन निर्मला एम, कॉम्बैट एयरक्राफ्ट सिस्टम डेवलपमेंट एंड इंटीग्रेशन सेंटर (कास्डिक); श्रीमती अनुया वेंकटेश, रक्षा जैव-अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल); श्री वेंकटेश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक एवं रडार विकास प्रतिष्ठान (एलआरडीई); डॉ. विशाल केसरी, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
- चंडीगढ़ :** डॉ. प्रिंस शर्मा, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल)
- चेन्नई :** श्रीमती एस जयसुधा, संग्राम वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (सीवीआरडीई)
- देहरादून :** श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील); श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (आईआरडीई)
- दिल्ली :** श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेप्टेम); डॉ. दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास); डॉ. निधि महेश्वरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर); श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास); श्री अनुराग पाठक, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा); सुश्री नूपुर श्रोत्रिय, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी); डॉ. रूपेश कुमार चौबे, टोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
- ग्वालियर :** श्री आर के श्रीवास्तव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीआरडीई)
- हल्दवानी :** डॉ. अतुल ग्रावर, रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
- हैदराबाद :** श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एसएसएल); श्री प्रमोद के झा, उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएसएस); सुश्री विदिशा लहिरी, उच्च ऊर्जा प्रणाली एवं विज्ञान केंद्र (सीएचईएसएस); श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल); डॉ. मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल); श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई)
- जगदलपुर :** डॉ. गौशोर अग्निहोत्री, एस एफ परिसर (एसएफसी)
- जोधपुर :** श्री शोरींद्र कुमार, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
- कानपुर :** श्री ए के सिंह, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई)
- कोच्चि :** श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिकी एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
- लेह :** डॉ. डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (डिहार)
- मसूरी :** डॉ. गोपा बी चौधरी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
- मैसूर :** डॉ. एम पाल्मुरगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
- पुणे :** डॉ. (श्रीमती) जे ए कानितकर, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई); डॉ. विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईए टी); श्री ए एम देवाले, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल); श्री एस एस अरोल, अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (इंजीनियर्स) (आरएंडडीई) (इंजी.)
- तेजपुर :** डॉ. जयश्री दास, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)

इस अंक में

मई , 2022

खंड-34, अंक 05

आई एस एस एन : 0971.4405

मुख्य लेख
नवोन्मेष
टीओटी

04
05
07



घटनाक्रम

11

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप

21

कार्मिक समाचार

22

आधारभूत सरंचना

23

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम

25

वेबसाइट : <https://www.drdo.gov.in/drdo/pub/newsletter/>

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें :

director.desidoc@gov.in

दूरभाष : 011-23902403, 23902434/82

फैक्स : 011-23819151

डीआरडीओ द्वारा मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाले प्रक्षेपास्त्र का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 27 मार्च 2022 को ओडिशा के तट से दूर एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर), चांदीपुर में मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली प्रक्षेपास्त्र (एमआरएसएएम) के भारतीय सेना संस्करण के दो सफल उड़ान परीक्षण किए। उच्च गति वाले हवाई लक्ष्यों के खिलाफ लाइव फायरिंग परीक्षणों के हिस्से के रूप में उड़ान परीक्षण किए गए थे। प्रक्षेपास्त्रों ने दोनों प्रकार के रेंज पर सीधे हिट दर्ज करते हुए हवाई लक्ष्यों को रोक दिया और उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर दिया। पहला प्रक्षेपण मध्यम ऊंचाई वाले लंबी दूरी के लक्ष्य को रोकना था और दूसरा प्रक्षेपण कम ऊंचाई वाले कम दूरी के लक्ष्य की क्षमता को साबित करने के लिए था।

प्रक्षेपास्त्र को डीआरडीओ और इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई), इजराइल द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। एमआरएसएएम सेना की हथियार प्रणाली में मल्टी-फंक्शन रडार, एक मोबाइल लॉन्चर सिस्टम और अन्य वाहन शामिल हैं। उड़ान का परीक्षण सुपुर्दगी योग्य विन्यास में हथियार प्रणाली के साथ किया गया था। हथियार प्रणाली के प्रदर्शन को रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और आईटीआर द्वारा तैनात टेलीमेट्री जैसे रेंज उपकरणों द्वारा कैप्चर किए गए उड़ान डेटा के माध्यम से मान्य किया गया था। डीआरडीओ और भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में उड़ान परीक्षण किए गए।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने एमआरएसएएम-सेना के सफल उड़ान परीक्षणों के लिए डीआरडीओ, भारतीय सेना और उद्योग जगत को बधाई दी है। उन्होंने कहा, दोनों सफल परीक्षणों ने



महत्वपूर्ण सीमाओं पर लक्ष्य को भेदने में हथियार प्रणाली की क्षमता को स्थापित किया।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष

डॉ जी सतीश रेड्डी ने एमआरएसएएम के सेना संस्करण के सफल उड़ान परीक्षण में शामिल टीमों की सराहना करते हुए कहा कि ये परीक्षण आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मील के पत्थर हैं।

डीआरडीओ द्वारा सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट टेक्नोलॉजी का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 8 अप्रैल 2022 को ओडिशा के तट से दूर एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर), चांदीपुर में सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर)-बूस्टर का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। परीक्षण ने सफलतापूर्वक जटिल प्रक्षेपास्त्र प्रणाली में शामिल सभी महत्वपूर्ण घटकों के विश्वसनीय कामकाज का प्रदर्शन किया और मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया।

एसएफडीआर-आधारित प्रणोदन, मिसाइल को सुपरसोनिक गति से बहुत लंबी दूरी पर हवाई खतरों को रोकने में सक्षम बनाता है। आईटीआर द्वारा तैनात टेलीमेट्री, रडार और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे कई रेंज इंस्ट्रूमेंट्स द्वारा प्राप्त किए गए डेटा से सिस्टम के प्रदर्शन की पुष्टि की गई है।

एसएफडीआर को रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद द्वारा डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं जैसे अनुसंधान केंद्र



इमारत (आरसीआई), हैदराबाद और उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे के सहयोग से विकसित किया गया है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने एसएफडीआर के सफल परीक्षण पर डीआरडीओ को बधाई दी है। उन्होंने इसे देश में महत्वपूर्ण मिसाइल प्रौद्योगिकियों के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण

मील का पत्थर बताया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी ने डिजाइन, विकास और परीक्षण में शामिल टीमों की सराहना करते हुए कहा कि एसएफडीआर के सफल परीक्षण के साथ, हवा से हवा में मार करने वाली प्रक्षेपास्त्रों की सीमा को बढ़ाया जा सकता है।

डीआरडीओ और भारतीय सेना द्वारा पिनाका मार्क-1 (उन्नत) रॉकेट सिस्टम का उड़ान-परीक्षण किया गया

पिनाका मार्क-1 (उन्नत) रॉकेट सिस्टम (ईपीआरएस) और पिनाका एरिया डेनियल मुनिशन (एडीएम) रॉकेट सिस्टम का पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में डीआरडीओ और भारतीय सेना द्वारा

सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया है। 25 मार्च 2022 से 9 अप्रैल 2022 के दौरान विभिन्न श्रेणियों के लिए कुल 24 ईपीआरएस रॉकेट दागे गए। सभी परीक्षण उद्देश्यों को संतोषजनक ढंग से

पूरा करने वाले रॉकेटों द्वारा अपेक्षित सटीकता और निरंतरता हासिल की गई।

इन परीक्षणों के साथ, उद्योग द्वारा ईपीआरएस के प्रौद्योगिकी अवशोषण का

प्रारंभिक चरण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और उद्योग भागीदार रॉकेट सिस्टम के उपयोगकर्ता परीक्षण/श्रृंखला उत्पादन के लिए तैयार हैं। पिनाका रॉकेट प्रणाली को आयुध अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई), पुणे द्वारा विकसित किया गया है, जो डीआरडीओ की पुणे स्थित एक अन्य प्रयोगशाला, उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल) द्वारा समर्थित है।

ईपीआरएस पिनाका संस्करण का उन्नत संस्करण है जो पिछले एक दशक

से भारतीय सेना के साथ सेवा में है। उभरती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रणाली को उन्नत प्रौद्योगिकियों के साथ विकसित किया गया है। पिनाका के वर्द्धित रेंज संस्करण की प्रदर्शन प्रभावकारिता स्थापित करने के बाद, प्रौद्योगिकी को नामतः म्युनिशन्स इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) और इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड, नागपुर उद्योगों में स्थानांतरित कर दिया गया था। अभियान के दौरान डीआरडीओ से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी) के तहत एमआईएल द्वारा निर्मित रॉकेटों

का उड़ान परीक्षण किया गया। पिनाका रॉकेट सिस्टम में इस्तेमाल किए जा सकने वाले बारूद और पयूज के विभिन्न रूपों का भी पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी ने रिकॉर्ड समय में उन्नत प्रौद्योगिकियों पर आधारित नए डिजाइन के रॉकेटों के उड़ान परीक्षण को पूरा करने के लिए टीमों को बधाई दी है।

टैंक रोधी निर्देशित प्रक्षेपास्त्र 'हेलीना' का उच्च ऊंचाई वाला द्वितीय सफल उड़ान परीक्षण

वर्तमान उपयोगकर्ता सत्यापन परीक्षणों के हिस्से के रूप में, स्वदेशी रूप से विकसित एंटी-टैंक गाइडेड प्रक्षेपास्त्र (एटीजीएम) 'हेलीना' का 12 अप्रैल 2022 को उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) से फिर से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

डीआरडीओ के साथ भारतीय वायु सेना और भारतीय थल सेना की टीमों ने ऊंचाई पर परीक्षण किया। क्रमिक दिनों में यह दूसरा सफल उड़ान परीक्षण है।

परीक्षण विभिन्न रेंज और ऊंचाई के लिए किया गया था। योजना के अनुसार, प्रक्षेपास्त्र ने नकली टैंक लक्ष्य को सटीक रूप से लक्षित किया। सेना के वरिष्ठ कमांडरों और डीआरडीओ के वैज्ञानिक इस परीक्षण के प्रत्यक्षदर्शी थे। उड़ान-परीक्षण के साथ, इमेजिंग इन्फ्रा-रेड (आईआईआर) साधक सहित संपूर्ण प्रणाली का लगातार प्रदर्शन किया गया है, जो सशस्त्र बलों में हेलीना को



हेलीना का उड़ान परीक्षण (फाइल फोटो)

शामिल करने में सक्षम होगा।

हेलीना तीसरी पीढ़ी है, फायर एंड फॉरगेट एटीजीएम जो सीधे हिट मोड के साथ-साथ टॉप अटैक मोड दोनों में लक्ष्य को भेद सकती है। इस प्रणाली की क्षमता

दिन और रात दोनों में समान रूप से काम करती है और यह पारंपरिक कवच के साथ-साथ विस्फोटक प्रतिक्रियाशील कवच के साथ युद्धक टैंकों को हरा सकता है।

आईआरडीई द्वारा विकसित उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण

7 अप्रैल 2022 को, माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा तीसरी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची और भारतीय उद्योगों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी) जारी करने की दिशा में डीआरडीओ द्वारा एक शानदार कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। रक्षा में आत्मनिर्भरता की शुरुआत करने के लिए यह एक ऐतिहासिक नीतिगत निर्णय था। इस अवसर पर, डॉ बीके दास, ओएस और निदेशक, यन्त्र अनुसन्धान एवं विकास प्रतिष्ठान (आईआरडीई), देहरादून ने आईआरडीई द्वारा विकसित चार प्रौद्योगिकियों के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (एलएटीओटी) दस्तावेज के लिए लाइसेंसिंग समझौता उद्योगों को सौंपा। प्रौद्योगिकियों का हस्तांतरण आरआरएम, वायु सेना प्रमुख, नौसेना प्रमुख, उप प्रमुख सेना, रक्षा सचिव और सचिव डीडी आर एंड डी और अध्यक्ष डीआरडीओ डॉ जी सतीश रेड्डी के साथ माननीय रक्षा मंत्री की उपस्थिति में किया गया था।

पहली तकनीक 'एडवांस्ड गनर्स मेन साइट विद लेजर टारगेट डेसिगनेटर' मेसर्स भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बंगलुरु को सौंपी गई थी। यह आर्मर्ड फाइटिंग व्हीकल (एएमवी) के गनर के लिए 5 किमी की मानक रेंज के साथ एक प्राथमिक व्यवसायिक दृष्टि है। यह एक गाइरो-स्थिर, अत्याधुनिक दृष्टि प्रणाली है।

दूसरी तकनीक 'काउंटर ड्रोन सिस्टम' मेसर्स अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, अहमदाबाद, मेसर्स आईसीओएमएम टेली लिमिटेड, हैदराबाद, मेसर्स एस्ट्रा माइक्रोवेव प्रोडक्ट्स लिमिटेड, हैदराबाद, मेसर्स लार्सन एंड टर्बो लिमिटेड, मुंबई और मेसर्स इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद को सौंपी गई। यह कई सेंसर का उपयोग करके हवाई ड्रोन का पता लगा सकता है, ट्रैक



कर सकता है और पहचान सकता है, सूचना को संबंधित सिस्टम में स्थानांतरित कर सकता है और काउंटर तकनीकों को उन्हें इच्छित संचालन से वंचित करने में सक्षम बनाता है।

डायरेक्ट एनर्जी वेपन (डीईडब्ल्यू) के लिए ईओ सेंसर के साथ तीसरी तकनीक 'इलेक्ट्रोऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम (ईओटीएस)' को मेसर्स मोशन डायनेमिक्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, एवं मेसर्स बेनेंग डिजाइन एंड मैनुफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड, बंगलुरु को सौंप दिया गया। यह एक वीडियो ट्रैकर के साथ एकीकृत एक इलेक्ट्रोऑप्टिकल स्थिर जिम्बल दृष्टि प्रणाली है जो दिन के साथ-साथ रात के समय जंगी कार्रवाई के दौरान के युद्ध क्षेत्र की निगरानी, लक्ष्य प्राप्ति और ऑटो-ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करती है। चौथी तकनीक 'ऑप्टोनिक सबमरीन



पेरिस्कोप' मेसर्स पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, नवी मुंबई को सौंपी गई। यह टोही, निगरानी, स्वचालित लक्ष्य का पता लगाने, पहचान, लक्ष्य पर नजर रखने और जहाजों के नेविगेशन प्रदान करने में सक्षम है। यह बड़ी हुई परिचालन क्षमता और बेहतर स्थितिजन्य जागरूकता भी प्रदान करता है।

डीआरडीओ और उद्योग जगत को बधाई देते हुए, माननीय रक्षा मंत्री ने कहा कि टीओटी समझौतों को उद्योग को सौंपना डीआरडीओ द्वारा विकसित स्वदेशी प्रौद्योगिकियों में भारतीय उद्योगों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है जो रक्षा प्रणालियों और प्लेटफार्मों में विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगा।

एमआरई राशन प्रौद्योगिकी के लिए एलएटीओटी

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर ने एमआरई राशन के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (एलएटीओटी) के लिए मैसर्स करतार रोलर पलोर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, जालंधर के साथ एक लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए। डॉ अनिल दत्त सेमवाल, निदेशक, डीएफआरएल और श्री नरिंदर पाल सिंह, निदेशक, मैसर्स करतार रोलर पलोर मिल्स प्रा. लिमिटेड, जालंधर ने 24 फरवरी 2022 को डीएफआरएल, मैसूर में समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर आविष्कारक, डॉ डीडी वाडीकर, वैज्ञानिक 'एफ', प्रमुख-अनाज विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रभाग और उनकी टीम, डॉ वी वासुदेवन, वैज्ञानिक 'ई', श्री जेएच लक्ष्मण, तकनीकी अधिकारी 'बी' और उनकी टीम, और डॉ एम पाल मुरुगन, वैज्ञानिक 'ई', प्रमुख-प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और प्रदर्शनी प्रभाग, डीएफआरएल भी



उपस्थित थे।

प्रौद्योगिकी तीन महत्वपूर्ण कारकों पर आधारित है; पैकेजिंग सिस्टम, प्रसंस्करण अनुसूची, और उत्पाद व्यंजनों की आवश्यकता। रचना के साथ-साथ मात्रा के लिए विभिन्न उत्पादों, अर्थात्, सब्जी पुलाव, सब्जी बिरयानी, चिकन बिरयानी, मटन बिरयानी, आदि के लिए प्रक्रिया को अनुकूलित किया गया है।

डीएफआरएल ने इस अनूठी तकनीक को पहले ही कई उद्यमों, यानी एमटीआर, आईटीसी, कोहिनूर, टेस्टी बाइट, चोखी धानी फूड्स, हल्दीराम, टेस्ट'एल फाइन फूड, अन्नामलाईयार फूड्स आदि को भारत के साथ विदेशों में भी उत्पादन और बड़े पैमाने पर आपूर्ति के लिए स्थानांतरित कर दिया है।

पर्यावरणीय रूप से नष्ट होने योग्य फिल्म प्रौद्योगिकी के लिए एलएटीओटी



रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर ने मैसर्स पायरा फ्लेक्सीपैक प्राइवेट लिमिटेड के साथ पर्यावरणीय रूप से निम्नीकृत फिल्म प्रौद्योगिकी के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (एलएटीओटी) के लिए लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए। डॉ अनिल दत्त सेमवाल, निदेशक, डीएफआरएल और श्री अश्विनी कुमार हेमदेव, प्रबंध निदेशक, मैसर्स पायरा फ्लेक्सीपैक प्राइवेट लिमिटेड, नंजनगुड, मैसूर ने डीएफआरएल, मैसूर में समझौतों पर हस्ताक्षर किए। डॉ आर कुमार, वैज्ञानिक 'एफ', आविष्कारक, हेड-फूड इंजीनियरिंग

एंड पैकेजिंग डिवीजन, डॉ जॉन्सी जॉर्ज, वैज्ञानिक 'एफ', हेड-रिसर्च एप्लायंसेज डिवीजन और उनकी टीम (पर्यावरणीय रूप से डिग्रेडेबल फिल्मस) और डॉ एम पाल मुरुगन, वैज्ञानिक 'ई', प्रमुख-प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और प्रदर्शनी प्रभाग, डीएफआरएल इस अवसर पर उपस्थित थे। मैसर्स पायरा फ्लेक्सीपैक प्राइवेट लिमिटेड, थांडया औद्योगिक क्षेत्र, नंजनगुड तालुक, मैसूर में स्थित प्लास्टिक उत्पादों के क्षेत्र में सबसे बड़े विनिर्माण उद्योगों में से एक है।

एलडीपीई में बायोडिग्रेडेबल और फोटोडिग्रेडेबल एडिटिक्स के संयोजन को

शामिल करके एलडीपीई-आधारित डिग्रेडेबल पैकेजिंग सामग्री का निर्माण किया जायेगा। एलडीपीई में बायोडिग्रेडेबल एडिटिक्स को जोड़ने से पर्यावरण में सूक्ष्मजीवों को एडिटिव के एक हिस्से को नीचा दिखाने में मदद मिलती है। जबकि फोटोडिग्रेडेबल एडिटिक्स के परिणामस्वरूप यूवी विकिरण या गर्मी के संपर्क में आने वाली बहुलक श्रृंखलाओं का रासायनिक ऑक्सीकरण होता है। इन एडिटिक्स के संयुक्त प्रभाव से दृश्य प्लास्टिक संदूषकों का विखंडन और बाद में बहुत छोटे टुकड़ों में रूपांतरण होता है, जो पर्यावरणीय अपशिष्ट समस्याओं को कम करता है।

डिबेर विकसित उत्पादों के लिए एलएटीओटी

रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर), हल्द्वानी ने उद्योगों को दो उत्पादों के लिए एलएटीओटी सौंप दिया है। एंटी ल्यूकोडर्मा हर्बल प्रोडक्ट मार्क-II की तकनीक एमिल फार्मास्युटिकल्स (इंडिया) लिमिटेड, नई दिल्ली को हस्तांतरित कर दी गई थी। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण दस्तावेज 30 मार्च 2022 को औद्योगिक भागीदार को स्थानांतरित कर दिया गया था। हर्बल उत्पाद ल्यूकोडर्मा के लिए एक उपचार है,

एक त्वचा रोग जिसमें सफेद धब्बे होते हैं। एमिल फार्मास्युटिकल्स (इंडिया) लिमिटेड, नई दिल्ली उत्पाद के मार्क-I के लिए एक औद्योगिक भागीदार भी है। 31 मार्च 2022 को, डिबेर ने 'जेट्रोफा से उच्च गुणवत्ता वाले बायो-डीजल प्राप्त करने की तकनीक' को भी मैसर्स इक्विपलाइन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, गाजियाबाद को आईएस: 15607 मानक प्राप्त बायो-डीजल के उत्पादन के लिए स्वदेशी तेल निष्कर्षण और

ट्रांस-स्टीरिफिकेशन उप-प्रौद्योगिकियों को सौंप दिया। डिबेर द्वारा विकसित तकनीक बिना किसी पूर्व या बाद के प्रसंस्करण के आईएस:15607 अनुरूप बायोडीजल का उत्पादन सुनिश्चित करती है। डॉ. देवकांत पहाड़ सिंह, निदेशक, पीएम और एसक्यूआर और डीआईबीईआर, हल्द्वानी के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में डीआईबीईआर के निदेशक डॉ मधु बाला द्वारा उद्योग के अधिकारियों को एलएटीओटी सौंपे गए।



डॉ मधु बाला, निदेशक तकनीकी टीम के साथ मैसर्स एमिल फार्मास्युटिकल इंडिया लिमिटेड को एलएटीओटी सौंपते हुए

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

एएसएल, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद ने 28 फरवरी 2022 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एनएसडी) मनाया। डॉ एम राम मनोहर बाबू, डीएस और निदेशक, एएसएल ने सभा को संबोधित किया। श्री अंबज कुमार दिवाकर, वैज्ञानिक 'ई' ने 'नई पीढ़ी के चेकआउट सिस्टम' पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान दिया। उन्होंने चेकआउट सिस्टम, इसके विकास और इसकी विभिन्न पीढ़ी के बारे में बताया। डॉ मनोहर बाबू ने श्री अंबज कुमार दिवाकर को सिलिकॉन मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया।



निदेशक एएसएल ने श्री अंबज कुमार दिवाकर को सिलिकॉन मेडल एवं प्रमाण पत्र भेंट किया

केयर, बंगलुरु

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिक केंद्र (केयर) ने 27 फरवरी 2022 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत सीएआईआर के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ सुब्रत रक्षित के संबोधन से हुई, जिसके बाद मुख्य अतिथि डॉ विशाल राव ने कोविड-19 पर अपना संभाषण प्रस्तुत किया। श्री विकास सूद, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'ए फ्रेमवर्क फॉर पेट्रीनेट-बेस्ड बिहेवियरल मॉडलिंग एंड एनालिसिस ऑफ साइबर-फिजिकल सिस्टम ऑफ सिस्टम' पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस भाषण दिया।

उन्होंने सिस्टम की साइबर-भौतिक प्रणाली के बारे में बताया जो परिचालन घटक प्रणाली की गतिशील संरचना की संरचना के रूप में प्राप्त की जाती है। उन्होंने विभिन्न वाक्य रचना और शब्दार्थ के साथ भाग लेने वाले घटक प्रणालियों के प्रतिनिधित्व और बहु-स्तरीय कारण लूप की उपस्थिति में विविधता को संभालने के लिए एक सामान्य रूपरेखा प्रस्तुत करके अपनी बात समाप्त की।



डॉ सुब्रत रक्षित, निदेशक, केयर से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रमाण पत्र प्राप्त करते श्री विकास सूद

सीएएस, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएएस), हैदराबाद ने 28 फरवरी 2022 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। श्री बी वेंकट पापा राव, ओएस और निदेशक ने स्वागत नोट के साथ सभा को संबोधित किया और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोहों के इतिहास के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर सीएएस ने श्री संदीप चट्टोपाध्याय, वैज्ञानिक 'जी' द्वारा 'भविष्य के मिशनों के लिए हाइपरसोनिक सुविधा' पर व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान भविष्य के हाइपरसोनिक मिशनों के लिए हाइपरसोनिक परीक्षण सुविधाओं की आवश्यकता पर केंद्रित था। निदेशक, सीएएस ने श्री संदीप चट्टोपाध्याय, वैज्ञानिक 'जी' को स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम का समापन श्री बी वेंकटेश्वर राव, वैज्ञानिक 'जी', एडी, सीएएस के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।



श्री बी वेंकट पापा राव, ओएस एवं निदेशक, सीएएस

केरिडक, बंगलुरु

कॉम्बैट एयरक्राफ्ट सिस्टम डेवलपमेंट एंड इंटीग्रेशन सेंटर (केरिडक), बंगलुरु ने 28 फरवरी 2022 को श्री बरनीधरन, वैज्ञानिक 'ई' के व्याख्यान के साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। डॉ के महेश्वर रेड्डी, निदेशक डीएलआरएल, और श्री सीएच दुर्गा प्रसाद, वैज्ञानिक 'जी' और केंद्र प्रमुख, कारिडक ने समारोह की अध्यक्षता की। भाषण में डिजाइन के विचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध अनुप्रयोगों में अल्ट्रा-वाइडबैंड एप्लिकेशन के लिए एंटीना सरणी पर उत्तेजना के प्रभाव को शामिल किया गया।



श्री बरनीधरन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान देते हुए

डीएफआरएल, मैसूर

28 फरवरी 2022 को रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल) मैसूर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। डॉ जॉन्सी जॉर्जी, वैज्ञानिक 'एफ', प्रमुख, अनुसंधान और उपकरण प्रभाग ने 'कॉम्बैट राशन के लिए सक्रिय और बुद्धिमान खाद्य

पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने सक्रिय और बुद्धिमान पैकेजिंग में हाल के विकास पर प्रकाश डाला जो पैकेजिंग को खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता की स्थिति की लगातार निगरानी करने और खाद्य गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों के साथ जानकारी साझा करने में सक्षम बनाता है। डॉ अनिल दत्त सेमवाल, वैज्ञानिक 'जी', निदेशक, डीएफआरएल ने डॉ जॉन्सी जॉर्जी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।



डॉ जॉन्सी जॉर्जी, वैज्ञानिक 'एफ' को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रमाणपत्र देते हुए डॉ सेमवाल, निदेशक, डीएफआरएल

डिबेर, हल्द्वानी

रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर), हल्द्वानी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2022 उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आईएस:15607 मैचिंग बायो-डीजल भारतीय सेना को उनकी आवश्यकताओं के आधार पर सौंपा गया। जेट्रोफा बीजों से आईएस:15607 के अनुरूप बायो-डीजल के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी को डिबेर द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया था और प्रौद्योगिकी को सुरक्षित करने के लिए पेटेंट जमा किए गए हैं। यह उल्लेखनीय है कि डिबेर द्वारा उत्पादित बायो-डीजल के 20 प्रतिशत मिश्रणों ने रेगिस्तान की पर्यावरणीय रूप से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों (ताप >45 डिग्री से.) और उच्च ऊंचाई (15,000 फीट एएसएल और उससे अधिक; ताप -20 डिग्री से.) के तहत उपयोगकर्ताओं

द्वारा किए गए कठोर परीक्षणों को पारित किया है। डिबेर ने डिबेर द्वारा विकसित छद्म तकनीक का उपयोग करके स्वदेशी रूप से विकसित छलावरण के लिए 8 कुमाऊँ के जवानों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया है। डिबेर ने इस अवसर पर ओपन डे भी मनाया, जिससे पास के स्कूल के इंटरमीडिएट के छात्रों को डिबेर का दौरा करने की अनुमति मिली। छात्रों ने डिबेर के वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों के साथ बातचीत की और उन्हें डिबेर में उपलब्ध उच्च शोध सुविधाओं का एक निर्देशित दौरा दिया गया।



भ्रमण के दौरान स्कूली छात्र-छात्राएं डिबेर के विद्वानों के साथ बातचीत करते हुए

डीएमआरएल, हैदराबाद

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल) ने 28 फरवरी 2022 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। इस वर्ष 'टाइटेनियम मिश्र के विभिन्न वर्गों के गुणों पर अनाज के आकार और बनावट पर प्रसंस्करण के प्रभाव' पर डॉ अमित भट्टाचार्जी, वैज्ञानिक 'जी' द्वारा व्याख्यान दिया गया था।



डॉ अमित भट्टाचार्जी, वैज्ञानिक 'जी' राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान देते हुए

वीआरडीई, अहमदनगर

वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (वीआरडीई), अहमदनगर ने 28 फरवरी 2022 को अपार उत्साह के साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। डॉ एमडब्ल्यू त्रिकांडे, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यकारी निदेशक वीआरडीई ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री बीए लांडगे, वैज्ञानिक 'एफ' ने मुख्य अतिथि डॉ आरएस शिंदे, उत्कृष्ट वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त), आरआरसीएटी, इंदौर का स्वागत किया। डॉ शिंदे ने '21वीं सदी के लिए अनुसंधान और उद्योग में सतत भविष्य प्रौद्योगिकी के लिए विज्ञान और इंजीनियरिंग में उन्नति' पर व्याख्यान दिया। उन्होंने सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट, सुपरफास्ट बुलेट ट्रेन के बुनियादी कार्य सिद्धांत के साथ भविष्य के स्थायी अनुप्रयोगों के लिए सुपर स्थायी और सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट पर बात की। उन्होंने स्वास्थ्य, पवन टरबाइन, चुंबकीय भंडारण पलाईव्हील और भविष्य की हाइब्रिड इलेक्ट्रिक कारों में अन्य चुंबकीय उत्तोलन अनुप्रयोगों पर भी बात की। डॉ शिंदे ने वैज्ञानिक शिक्षा के क्षेत्र में अपनी व्यापक विशेषज्ञता साझा की। इस अवसर पर श्री पुलकित गर्ग, वैज्ञानिक 'डी' ने 'हैवी-ड्यूटी रिकवरी व्हीकल का स्थिरता आकलन' विषय पर तकनीकी प्रस्तुति दी। कार्यकारी निदेशक ने सभा को विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और इसकी हमेशा आवश्यकता क्यों है, पर संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ।



अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

एएसएल, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद ने 'नारी-शक्ति शिखर' पर दो दिवसीय कार्यशाला के साथ 14-15 मार्च के दौरान अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आईडब्ल्यूडी)-2022 मनाया। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती आर शीना रानी ने गणमान्य व्यक्तियों और अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि श्रीमती वनिता दतला, वाइस चेयरपर्सन और एमडी, एलिसो लिमिटेड ने 14 मार्च 2022 को इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और संगठन में समान स्तर हासिल करने के लिए अधिक महिला कार्यबल की भर्ती की आवश्यकता पर बल दिया और सुझाव दिया कि महिला सशक्तिकरण के लिए समर्थन अपने परिवार से शुरू होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि श्रीमती पद्मश्री, उप मुख्य उप-संपादक, ईनाडु ने जोर देकर कहा कि महिलाओं को हर क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना चाहिए और अपने लिए अवसर भी पैदा करने चाहिए। डॉ एम राम मनोहर बाबू, डीएस एवं निदेशक, ए एस एल ने गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया और बताया कि एएसएल आईडब्ल्यूडी-2022 के 'ब्रेक द बायस' थीम के लिए खड़ा होगा। दूसरे



निदेशक, एएसएल 14 मार्च 2022 को मुख्य अतिथि श्रीमती वनिता दतला को सम्मानित करते हुए

दिन की कार्यशाला में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि श्रीमती ए पद्मावती, प्रथम महिला, डीआरडीओ ने भाग लिया। उन्होंने 15 मार्च 2022 को इस आयोजन का उद्घाटन किया और अपने संबोधन में उन्होंने एएसएल की सभी गतिविधियों के लिए बिना शर्त समर्थन का वादा किया। मुख्य अतिथि सुश्री तेजस्विनी मनोगना, यूथ आइकॉन और मिस अर्थ-इंडिया ने संगठन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कर्मचारियों के कल्याण की आवश्यकता पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती संगीता प्रसाद, सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनर और एमडी, मैग्नेटिक पर्सोना ने सुझाव दिया कि कार्य

प्रेरित तनाव से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए एक मंच बनाने की आवश्यकता है। श्रीमती एम उषा रानी, प्रथम महिला, एएसएल और श्रीमती बी अरुणा कुमारी, प्रथम महिला, महानिदेशक (एमएसएस) ने इस अवसर पर शिरकत की। श्रीमती एस शंकरा ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

केयर, बेंगलुरु

21 मार्च 2022 को कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आईडब्ल्यूडी)-2022 उत्साह के साथ मनाया गया। श्रीमती (डॉ) सुमा वर्गीज, ओएस एव डीजी (मेड एण्ड कॉस) को इस कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत आईडब्ल्यूडी को मनाने की आवश्यकता पर जोर देने पर स्वागत भाषण के साथ हुई, जिसके बाद सीएआईआर के निदेशक डॉ सुब्रत रक्षित ने भाषण दिया। अपने भाषण में, उन्होंने सीएआईआर में सभी कामकाजी महिलाओं को प्रेरित किया और बचपन से ही लैंगिक समानता को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। श्रीमती वर्गीज ने आईडब्ल्यूडी थीम 'जेंडर इक्वैलिटी टुडे फॉर सस्टेनेबल



निदेशक, एएसएल 15 मार्च 2022 को मुख्य अतिथि श्रीमती ए पद्मावती को सम्मानित करते हुए

दुमोंरो' पर एक प्रेरक भाषण देते हुए कहा कि कामकाजी महिलाओं को जिम्मेदारी लेने में पूरी ताकत के साथ आगे आने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

केरिडक, बेंगलुरु

कॉम्बैट एयरक्राफ्ट सिस्टम डेवलपमेंट एंड इंटीग्रेशन सेंटर (केरिडक), बेंगलुरु ने 11 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। श्री सीएच दुर्गा प्रसाद, वैज्ञानिक 'जी' और केंद्र प्रमुख, केरिडक ने महिला कर्मचारियों को संबोधित किया, और महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर दृष्टि डाली। श्रीमती डी वनिता, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धि पर भी व्याख्यान दिया गया। वार्ता के बाद महिला कर्मचारियों के लिए विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के बाद पुरस्कार वितरण किया गया।

सीएएस, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएएस), हैदराबाद ने 25 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री बीवी पापा राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सीएएस ने श्रीमती एम बृन्दा, मुख्य अतिथि और सीएएस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किया। स्वागत भाषण प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती विजया कुमारी ने दिया। श्रीमती एम बृन्दा, 'मंडल अभियंता', टीएस ट्रांसको को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर सभा को संबोधित किया।

श्री पापा राव ने महिलाओं की प्रमुख भूमिका और समाज के विकास में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। डॉ संगीता नाइक, अपोलो को डीआरडीओ ने अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया। श्रीमती आई शारदा देवी, प्रशासनिक अधिकारी, सीएएस महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष ने महिलाओं की सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक उपलब्धियों पर भाषण दिया।



केयर बेंगलुरु में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2022 समारोह



केरिडक, बेंगलुरु में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2022 समारोह



सीएएस, हैदराबाद में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2022 समारोह

डीजीआरई, चंडीगढ़

रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़ ने 8 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस अवसर पर, डॉ पीके सत्यावली, निदेशक, डीजीआरई ने पर्वतीय भू-जोड़ों और प्रतिष्ठान की मूल्यांकन गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी की भूमिका पर प्रकाश डाला। स्थापना के निदेशक डीजीआरई, सह निदेशक, और प्रौद्योगिकी निदेशकों ने संगठन की एक कार्य संस्कृति के निर्माण में विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया जो महिला कर्मचारियों को आगे आने और अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए ढाँचे से बाहर सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है।

डीआईपीआर, दिल्ली

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने 8 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस अवसर पर डॉ मंजू पोपली, वैज्ञानिक 'जी', एडी और प्रमुख, क्लिनिकल रिसर्च एंड मेडिकल मैनेजमेंट, नाभिकीय औषधि एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली ने भाग लिया। डीआईपीआर के निदेशक डॉ के रामचंद्रन ने उद्घाटन भाषण के साथ सभा का स्वागत किया। उन्होंने अपनी मां, पत्नी और बेटी और उनके जीवन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करते हुए शुरुआत की। महाभारत और रामायण के महाकाव्य के उदाहरणों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं को हमेशा सशक्त बनाया गया है और उनके चरित्र शक्ति और दृढ़ संकल्प की गाथा गाते हैं। इस वर्ष, मुख्य आकर्षण डीआईपीआर के पुरुष वैज्ञानिकों द्वारा दिए गए भाषण थे। इसके बाद डॉ पोपली का संबोधन हुआ, जिन्होंने अपनी आकर्षक उपस्थिति और वाक्पटुता से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने अपनी हाजिर जवाबी और हास्य के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की भावना



डॉ के रामचंद्रन, निदेशक, डीआईपीआर डॉ मंजू पोपली को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए

को प्रज्वलित किया। उन्होंने अपने भाषण का समापन अपने जीवन में दोस्तों की उपस्थिति, दिनचर्या में से कुछ समय आराम एवं जीवन को पूरी तरह से जीने के महत्व को रेखांकित करते हुए किया।

डीएमआरएल, हैदराबाद

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 8 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। डॉ गीता शर्मा, निदेशक (आरएंडडी), तपड़िया डायग्नोस्टिक्स, हैदराबाद को इस अवसर के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। डॉ जी मधुसूदन रेड्डी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल; श्री

एस रमेश कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' और अध्यक्ष, निर्माण समिति; सुश्री डेजी प्रिया तिग्गा, वैज्ञानिक 'सी' और संयोजक, महिला प्रकोष्ठ; श्री के श्रीकांत गौड़, अध्यक्ष, डेफमेटलैब; वर्क्स नेशनल यूनियन एवं श्री राजू वाइस चेयरमैन, वर्क्स कमेटी सहित मुख्य अतिथि इस अवसर पर उपस्थित थे। श्री रमेश कुमार ने अतिथियों, आमंत्रितों और सम्मानित श्रोताओं का स्वागत किया और व्यक्त किया कि भेदभाव को तोड़ने और लैंगिक समानता हासिल करने के लिए महिलाओं की भी समान जिम्मेदारी है। सुश्री तिग्गा ने डीएमआरएल में महिलाओं की गतिविधियों पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। श्री श्रीकांत गौड़ और श्री राजू ने भी श्रोताओं

को संबोधित किया और लैंगिक समानता के महत्व के बारे में बताया। निदेशक, डीएमआरएल ने अपने संबोधन में उल्लेख किया कि अर्धनारीश्वर तत्व जो पुराणों में दर्शाया गया है, ब्रह्मांड में विपरीतताओं की एकता को व्यक्त करता है।

इनमास, दिल्ली

नाभिकीय औषधि एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली ने 8 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। डॉ. जुबली, वैज्ञानिक ई ने कार्यस्थल पर उत्पीड़न के बारे में जागरूकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्याख्यान दिया। प्रो. (डॉ.) बिजयलक्ष्मी नंदा, प्राचार्य, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। मैत्रेयी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर डॉ. मिथिला बगई द्वारा सभी कर्मचारियों के लिए एक सहज योग ध्यान सत्र भी आयोजित किया गया था। डॉ. एके मिश्रा वैज्ञानिक 'जी' और निदेशक, इनमास ने इस अवसर पर एक महान पुरस्कार विजेता फ्रेंकोइस अर्नोल्ड (2018 रसायन विज्ञान) की यात्रा को एंजाइमों की दुनिया में उनके पथप्रदर्शक योगदान और कैसे इसने कई और वैज्ञानिक क्षेत्रों में क्रांति ला दी, के बारे में अपने विचार साझा किए।

आईटीएम, मसूरी

8 मार्च 2022 को प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम), मसूरी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। श्रीमती सपना कट्टी, अध्यक्ष एम के एम ने सभा को संबोधित किया और महिला सशक्तिकरण के बारे में बात की। उन्होंने सभ्यता की शुरुआत से ही मानव जाति में महिलाओं के योगदान का हवाला दिया। उन्होंने पेशेवर और घरेलू जीवन में महिलाओं की प्रमुख भूमिकाओं के बारे में विस्तार से बताया। इसके बाद, ग्रुप कैप्टन एम सुब्रमण्यन ने हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सभी उपस्थित लोगों को अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में और अधिक हासिल करने



डॉ. गीता शर्मा, निदेशक (आर एंड डी), तपाडिया डायग्नोस्टिक्स, हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2022 समारोह के दौरान डीएमआरएल हैदराबाद में



इनमास, दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2022 समारोह



आईटीएम, मसूरी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2022 समारोह

के लिए प्रेरित किया। जिज्ञासा कुमार द्वारा 'स्त्री: अर्धांगिनी या पूर्णांगिनी' पर एक ऑनलाइन वार्ता भी दी गई। कार्यक्रम का समापन श्रीमती अनीता मोहिंद्रा, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एनएमआरएल, अम्बरनाथ

9 मार्च 2022 को नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल) में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह और खुशी के साथ मनाया गया। सर्जन रियर एडमिरल आरती सरिन, वीएसएम, कमांड मेडिकल ऑफिसर, एचक्यूडब्ल्यूएनसी, भारतीय नौसेना ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने 'माई जर्नी' विषय पर भाषण दिया और अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कार्यस्थल में लैंगिक समानता के महत्व पर प्रकाश डाला।

श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल ने अपने संबोधन में संगठन की समग्र प्रगति में महिला कर्मचारियों के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद, श्री भारुदकर, मनशक्ति अनुसंधान केंद्र, लोनावाला द्वारा 'तनाव प्रबंधन पर एक व्याख्यान दिया गया।

इस अवसर पर वृक्षारोपण विभाग और जलपान विभाग में कार्यरत महिलाओं को समर कोट का वितरण किया गया।

वीआरडीई, अहमदनगर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च 2022 को वाहन अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (वीआरडीई), अहमदनगर में मनाया गया। श्रीमती राजेश्वरीजी मोदी (रिकी ग्रैंडमास्टर, एक्स्प्रेसर चिकित्सक और काउंसलर) द्वारा एक वीडियो व्याख्यान की व्यवस्था की गई थी। व्याख्यान मन की शांति, तनाव प्रबंधन के लिए इसके महत्व और सभी प्रकार से अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने पर केंद्रित था।



एनएमआरएल, अम्बरनाथ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2022 समारोह के दौरान सर्जन रियर एडमिरल आरती सरिन, वीएसएम, कमांड मेडिकल ऑफिसर, एचक्यूडब्ल्यूएनसी, भारतीय नौसेना



वीआरडीई, अहमदनगर की महिला कर्मचारी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2022 मना रही हैं

श्रीमती समीना शेख, एसपीएस, और श्रीमती पीआर भागवत, एओ को समाज कल्याण गतिविधियों में उनके योगदान को पहचानने के लिए सम्मानित किया गया।

सेवा समिति के सदस्यों के रूप में, उन्होंने दूरदराज के गांवों में चिकित्सा शिविर आयोजित करने, जरूरतमंद छात्रों को वर्दी और किताबों के रूप में सहायता प्रदान करने, विकलांग व्यक्तियों को तिपहिया

साइकिल वितरित करने और 10 वर्षों में ऐसे कई आयोजनों में योगदान दिया था।

इन महिलाओं के प्रयासों ने कई जरूरतमंद लोगों के जीवन में बदलाव किया और उनकी चुनौतीपूर्ण जीवन स्थितियों को दूर करने में मदद की। इन महिला कर्मचारियों को सामाजिक कार्यों में उनके नेक योगदान के लिए सम्मानित किया जाना दूसरों को भी प्रेरित करने में मदद करेगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह-2022

केयर, बेंगलुरु

4 मार्च 2022 से 11 मार्च 2022 तक कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (सीएआईआर), बेंगलुरु में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। सीएआईआर के सभी कर्मचारियों को आग और सुरक्षा उपकरणों और प्रक्रिया संचालन के बारे में जागरूकता लाने के लिए एक सेमिनार-सह-कार्यशाला

डीजीआरई, चंडीगढ़

रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़ ने कार्यस्थल पर कर्मचारियों के बीच सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए 'युवा मस्तिष्कों का परिपोषण-सुरक्षा संस्कृति का विकास' की थीम के साथ 4-10 मार्च 2022 के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया। सुरक्षा सप्ताह के उद्घाटन सत्र का प्रसारण क्यूआरएंडएस सचिवालय, डीआरडीओ के द्वारा किया गया था और इसमें डीजीआरई कर्मचारियों और सेवा अधिकारियों ने भाग

डीआरडीएल, हैदराबाद

4 मार्च 2022 को रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया गया। बढ़ते स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए, इस कार्यक्रम का विषय स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 'स्वस्थ जीवन-आयुर्वेद और पंच कर्म उपचार पुरानी विकार' के रूप में निर्धारित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में आयुर्वेद और पंचकर्म उपचार के विशेषज्ञ डॉ किशोर महिंद्राकर को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में डॉ किशोर महिंद्राकर; श्री जी ए श्रीनिवास मूर्ति, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं

आयोजित की गई।

कार्यशाला के दौरान अग्निशामक यंत्रों, अग्निशामक उपकरणों और पीपीई किटों की सुरक्षा और भौतिक प्रदर्शन के बारे में जागरूकता जैसी दो प्रमुख गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। इस अवसर पर सीएआईआर के कर्मचारियों को फायर एंड



सेफ्टी पॉकेट मैनुअल वितरित किए गए।



लिया था। चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़ के वैज्ञानिक 'ई' श्री थलपति राजू ने अग्नि

सुरक्षा परिप्रेक्ष्य: डीआरडीओ लैब्स पर एक व्याख्यान दिया।



निदेशक, डीआरडीएल; डॉ सीवीएस मूर्ति, सह निदेशक, डीआरडीएल; श्री पी वी सुरेश, तकनीकी निदेशक आर एंड क्यूए; और श्री एन विजय, सीड शामिल हैं। कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों ने सुरक्षा और स्वास्थ्य की शपथ भी ली।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस समारोह-2022 की पूर्व संध्या पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

आईआरडीई, देहरादून

यन्त्र अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (आईआरडीई) ने 4-10 मार्च 2022 के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह मनाया। डॉ बीके दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईआरडीई ने सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री एस के राणा, उप निदेशक, अग्नि और आपातकालीन सेवा मुख्यालय, उत्तराखंड ने 9 मार्च 2022 को आग के खतरों और शमन तकनीकों के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए 'युवा दिमागों का पोषण और अग्नि सुरक्षा संस्कृति का विकास' पर एक व्याख्यान दिया। श्री राणा ने आग के खतरों के कारणों पर प्रकाश डाला और आग की घटनाओं की स्थिति में क्या करें और क्या न करें पर जोर दिया। उन्होंने आग की किसी भी दुर्घटना के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी बताया। डॉ दास ने सुरक्षा के मामले को बहुत गंभीरता से लेने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कार्यक्रम के सभी



कर्मचारियों से सुरक्षा मानदंडों का पालन करने का अनुरोध किया। दैनिक गतिविधियों में सुरक्षा के महत्व को दर्शाने के लिए आई आर डी ई के कर्मचारियों द्वारा एक छोटे से नाटक का आयोजन किया गया। इस दौरान सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। सुरक्षा सप्ताह के दौरान सुरक्षा और

इसकी आवश्यकता पर नारा प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। डॉ दास ने सर्वश्रेष्ठ तीन नारों को पुरस्कार से सम्मानित किया। निदेशक, आईआरडीई और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद से प्राप्त सुरक्षा संबंधी पोस्टर जारी किए गए।

वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रदर्शनियां

डीएमआरएल, हैदराबाद

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल) ने 22-28 फरवरी 2022 के दौरान आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन), हैदराबाद में आयोजित अमृत महोत्सव विज्ञान प्रदर्शनी: 2047 का रोडमैप नामक प्रदर्शनी में भाग लिया। हैदराबाद स्थित डीआरडीओ प्रयोगशालाएँ-रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), डीएमआरएल, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)। प्रदर्शनी में कई डीएमआरएल उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, गृह मंत्रालय, श्री जी किशन रेड्डी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को प्रदर्शित किया गया ताकि नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए डीएमआरएल के योगदान को प्रदर्शित किया जा सके। सप्ताह भर चलने वाली



प्रदर्शनी में कई स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भी भाग लिया। डीएमआरएल उत्पादों को माननीय मंत्री, छात्रों और अन्य आगंतुकों से बहुत उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। इस

आयोजन ने डीएमआरएल को अपने उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान किया।

एसीईएम, नासिक

उन्नत ऊर्जा सामग्री केंद्र (एसीईएम), नासिक ने नासिक में 22-24 फरवरी 2022 के दौरान उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे के सहयोग से तीन दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया था।

प्रदर्शनी 'सॉलिड रॉकेट मोटर की दुनिया को समझना' विषय पर आधारित थी। नासिक शहर के विभिन्न विज्ञान और इंजीनियरिंग कॉलेजों के 300 से अधिक स्नातक छात्रों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री केपीएस मूर्ति, जीएम एसीईएम और निदेशक, एचईएमआरएल ने किया। प्रदर्शनी को तीन भागों में स्थापित किया गया था जिसमें वीडियो ट्यूटोरियल, एक पोस्टर गैलरी और विभागीय कार्य और उत्पादों की एक सूचनात्मक चर्चा शामिल थी। छात्रों को रक्षा वैज्ञानिकों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला और टोस रॉकेट मोटर्स के प्रसंस्करण की एक झलक मिली।

प्रदर्शनी के अलावा एसीईएम कर्मचारियों के लिए विज्ञान प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन, नारा लेखन और पोस्टर प्रतियोगिताओं का

स्थापना दिवस समारोह

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून ने 23 फरवरी 2022 को अपना स्थापना दिवस अपार जोश और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर को मनाने के लिए, क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और अन्य क्षेत्र कार्यक्रमों सहित विभिन्न खेल आयोजनों और खेलों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में डील के कर्मचारियों ने भाग लिया।

डॉ बी के दास, निदेशक, डील ने प्रतिभाशाली कर्मचारियों और विभिन्न खेल आयोजनों के विजेताओं को प्रयोगशाला स्तर के डीआरडीओ पुरस्कार, नकद



भी आयोजन किया गया। गतिविधियों की श्रृंखला का समापन 7 मार्च 2022 को हुआ जब राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2022 मनाया गया। इस अवसर पर आईसीटी, मुंबई के प्रख्यात वैज्ञानिक पद्मश्री प्रो जीडी यादव मुख्य अतिथि थे। एसीईएम में एचआरडी

सेल के नेतृत्व में श्री आरएस पाटिल, संयुक्त निदेशक एचआरडी, सुश्री लुबना खान, प्रमुख, एचआरडी श्री सीएम थोराट, तकनीकी अधिकारी, श्री मोइन रजा और श्री संदीप गुप्ता वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

पुरस्कार और खेल पुरस्कार प्रदान किए। डील के इतिहास को प्रदर्शित करने वाली डील गोल्डन गैलरी का उद्घाटन प्रयोगशाला द्वारा विकसित प्रमुख प्रणालियों के साथ-साथ डॉ बी के दास द्वारा भी किया गया था। शाम को कर्मचारियों द्वारा भारत की विविध संस्कृति को प्रदर्शित करने

वाले समावेशी स्वाद के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम 'कलाकृति-2022' प्रस्तुत किया गया। निदेशक, डील ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रम में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और कर्मचारियों को अपने भाषण से प्रेरित किया।



डॉ बीके दास, निदेशक डील सांस्कृतिक कार्यक्रम 'कलाकृति' के प्रतिभागियों के साथ

निर्णय लेने में दक्षता बढ़ाने पर कार्यशाला : ई-ऑफिस

संसदीय कार्य निदेशालय, राजभाषा और संगठन और पद्धति (डीपीएआरओ एंड एम) ने 16 मार्च 2022 को डीआरडीओ मुख्यालय में 'निर्णय लेने में दक्षता बढ़ाने: ई-ऑफिस' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ रवींद्र सिंह, निदेशक, डीपीएआरओ एंड एम ने मुख्य अतिथि श्री वी श्रीनिवास, आई ए एस, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के सचिव और डॉ जी सतीश रेड्डी, सचिव डीडी आर एंड डी और अध्यक्ष डीआरडीओ का स्वागत किया। 'निर्णय लेने में दक्षता बढ़ाना: ई-ऑफिस' पर अपने उद्घाटन भाषण के दौरान, उन्होंने अपने अनुभव को साझा किया कि कैसे संगठन डिजिटलीकरण के चरण से डिजिटल परिवर्तन में चले गए, जिसमें समन्वित कार्य संस्कृति और प्रौद्योगिकी बदलाव की एक श्रृंखला ने एक संस्थान के

संचालन को बदल दिया। विशेषज्ञ संकाय थे: श्री कपिल कुमार शर्मा, वैज्ञानिक 'एफ' और सुश्री आराधना जायसवाल, एनआईसी दिल्ली से परियोजना प्रबंधक, ग्रुप कैप्टन थॉमसन जॉर्ज, भारतीय वायु सेना, सुश्री गुरप्रीत कौर, वैज्ञानिक 'ई' आर एंड डी इंजीनियरिंग(ई), सुश्री दीक्षा सेठी, वैज्ञानिक 'बी', एआरडीई।

इस कार्यक्रम का संचालन ओ एंड एम टीम, डीपीएआरओ एंड एम, श्रीमती आशा त्रिपाठी, वैज्ञानिक 'जी', डीपीएआरओएम के नेतृत्व में किया गया था। कार्यशाला में डीआरडीओ मुख्यालय के विभिन्न निदेशालयों के लगभग 45 डीआरडीओ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।



शीतकालीन इंटरनशिप कार्यक्रम

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत-स्वतंत्र भारत के 75 साल और इसके लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास का जश्न मनाने और उसका स्मरण करने के लिए भारत सरकार की एक पहल के रूप में, एसीईएम, नासिक ने इंटरनशिप-2021 कार्यक्रम आयोजित किया। विभिन्न कॉलेजों के 67 इंजीनियरिंग स्नातक छात्रों ने एसीईएम में एक महीने के इंटरनशिप कार्यक्रम में भाग लिया है, छात्र एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न विषयों से थे। एसीईएम के वैज्ञानिकों ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। प्रत्येक छात्र को उसके अध्ययन क्षेत्र के अनुसार एक प्रोजेक्ट गाइड सौंपा गया था।

इंटरनशिप के हिस्से के रूप में, एक सप्ताह के लिए एक सामान्य अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों को एसीईएम में अनुसंधान गतिविधियों और विभिन्न प्रभागों के बारे में जानकारी मिली। कुल मिलाकर 20 से अधिक परियोजनाओं को पूरा किया गया। छात्रों के लिए

विदाई समारोह का आयोजन किया गया। एसीईएम के जीएम श्री केपीएस मूर्ति ने छात्रों को सम्मानित किया। एसीईएम में एचआरडी सेल में श्री आरएस पाटिल, सुश्री लुबना खान, श्री सीएम थोराट, श्री मोइन रजा और श्री संदीप गुप्ता शामिल थे।



हिंदी कार्यशाला

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 21 मार्च 2022 को प्रसाशनिक और भंडार सहायकों के लिए एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का संचालन डॉ. संत राम यादव, उप निदेशक (राजभाषा), सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर ड्राईलैंड एग्रीकल्चर (सीआरआईडीए), हैदराबाद द्वारा किया गया था।



पुरस्कार और सम्मान



* इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियर्स ने डॉ. एससी भट्टाचार्य, वैज्ञानिक 'जी' और सह निदेशक, एसीईएम, नासिक को प्रक्रिया या उत्पाद विकास में उत्कृष्टता के लिए आईसीआई इंडिया लिमिटेड पुरस्कार से सम्मानित किया। सीएसआईआर-आईएमएमटी, भुवनेश्वर में केमकॉन के दौरान वैज्ञानिक को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

* श्रीनिवास राव नंदम, डॉ. ए. वेणुगोपाल राव, डॉ. अमोल ए. गोखले, और डॉ. सुहास एस जोशी, रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल) हैदराबाद द्वारा लिखित 'विभिन्न मशीनिंग प्रक्रियाओं के तहत सिंगल क्रिस्टल निकेल आधारित सुपरलॉय की सतह की अखंडता पर प्रायोगिक अध्ययन' नामक पेपर को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एआईएमटीडीआर-2021 में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार के लिए चुना गया है।

पेटेंट

मेथड एंड अप्लायन्स फॉर कंटीन्यूअस कार्स्टिंग ऑफ मेटलिक रिबन' (पेटेंट नंबर 381058) को पेटेंट प्रदान किया गया है, जिसके लिए डॉ. भास्कर मजूमदार, श्री डी अरविंद बाबू, श्री ए. वी. फणीकरण, श्री बी. रिचर्ड डैनी, डॉ. दिलशाद अख्तर, डीएमआरएल, हैदराबाद और डॉ. श्री एम. श्रीनिवास, एनएसटीएल, विशाखापत्तनम को आविष्कारक के रूप में नामित किया गया है।

कार्मिक समाचार

उच्च योग्यता प्राप्त



श्री जय कृष्ण मिश्रा, वैज्ञानिक 'एफ', उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) वारंगल, तेलंगाना से अपनी थीसिस 'कम्पोजिट रॉकेट मोटर केस के लिए बाहरी एब्लेटिव थर्मल प्रोटेक्शन सिस्टम का विकास' के लिए पीएचडी पूरी की है।



श्रीमती पीवी श्रीना, वैज्ञानिक 'ई', एएसएल, को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र से उनकी थीसिस के लिए 'सबप्टिमल नॉन-लीनियर गाइडेंस ऑफ ए रीएंट्री व्हीकल विद एनएवीआईसी-एडेड आईएनएस नेविगेशन फॉर सटीक अवरोधन' शीर्षक से पीएचडी प्रदान की गई है।



डॉ. शिव कुमार खापले, वैज्ञानिक 'ई' को एनआईटी, वारंगल से 'एफईएल-आधारित लाइटवेट स्टील के माइक्रोस्ट्रक्चर और यांत्रिक गुणों पर मिश्र धातु के अतिरिक्त प्रभाव' में विशेषज्ञता के साथ धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग में पीएचडी की डिग्री से सम्मानित किया गया है।



श्री के परमेश्वर, टीओ 'बी' ने डीआईएटी, पुणे से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एमएससी (रिसर्च द्वारा) डिग्री हासिल की।

डिबेर में जैव ईंधन अनुसंधान परिसर का उद्घाटन

डॉ यूके सिंह, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एलएस) ने 9 फरवरी 2021 को रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर), हल्द्वानी में जैव-ईंधन अनुसंधान परिसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर, डिबेर के निदेशक डॉ मधु बाला ने इस पर प्रकाश डालते हुए यह बताया कि यह अभी तक बनाया गया पहला समर्पित प्रयोगशाला स्थान है, जहां बहुत आवश्यक उच्च गुणवत्ता वाले और उच्च प्रदर्शन वाले उपकरणों को रखा जा सकता है। लगभग 19 एकड़ में फैले वर्तमान जैव ईंधन अनुसंधान परिसर में ऊर्जा फसलों की खेती और प्रजनन, भौतिक, रासायनिक और जैविक तरीकों से बायोमास प्रसंस्करण, और ऊर्जा और ईंधन उत्पादन सहित विविध गतिविधियों का समर्थन करने के लिए पर्याप्त स्थान और बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। वर्तमान में, ट्रांस-एस्टरीफिकेशन, एयर ब्लॉड और स्टीम-गैसिफिकेशन, हाइड्रोजनीकरण, बायो-मेथेनेशन आदि के लिए बुनियादी ढांचा स्थापित किया गया है। भविष्य की जैव-ऊर्जा गतिविधियों को भी अनुकूलित करने के लिए पर्याप्त गुंजाइश है।

डॉ सिंह ने परिसर में विश्लेषणात्मक



डॉ यूके सिंह, डीएस एवं डीजी (एलएस) हल्द्वानी में जैव-ईंधन अनुसंधान परिसर का उद्घाटन करते हुए

प्रयोगशाला का भी दौरा किया। डीटी/टीजीए का प्रदर्शन किया गया, जिसमें डीजी (एलएस) ने संबंधित वैज्ञानिक और उनकी टीम के साथ लंबी चर्चा की। व्यक्तिगत वैज्ञानिकों को भी अपने वर्तमान शोध और भावी योजना को डीजी (एलएस) को दिखाने का अवसर मिला। डॉ सिंह ने इस अवसर पर डिबेर समूह को बधाई दी और इस अवसर पर डिबेर द्वारा गुणवत्तापूर्ण

शोध की कामना की। उन्होंने वैज्ञानिकों को नए शोध विचारों की कल्पना करने और प्रभावशाली शोध परियोजनाओं के माध्यम से उन्हें उत्पादों में बदलने के लिए प्रोत्साहित किया। वर्ष 2021 की वार्षिक रिपोर्ट और उत्तराखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में आजीविका के अवसर बढ़ाने के लिए डिबेर, डीआरडीओ की 'हाइड्रोपोनिक्स' प्रौद्योगिकी पर एक तकनीकी पुस्तिका का भी विमोचन किया गया।



डॉ यूके सिंह, डीएस और डीजी (एलएस) डिबेर की 'हाइड्रोपोनिक्स टेक्नोलॉजी' पर वार्षिक रिपोर्ट और तकनीकी पुस्तिका जारी करते हुए

आईआरडीई झांकी का उद्घाटन

पहली बार, यन्त्र अनुसन्धान एवं विकास प्रतिष्ठान (आईआरडीई) ने सशस्त्र बलों के सभी प्लेटफार्मों के लिए इलेक्ट्रो-ऑप्टिक योगदान को दर्शाती एक झांकी की अवधारणा निर्मित की। झांकी भारतीय सशस्त्र बलों के लिए आईआरडीई के उत्पादों को दर्शाती है। यह भूमि, समुद्र, वायु और अंतरिक्ष में आईआरडीई की उपस्थिति को प्रदर्शित करता है। झांकी में जिन उत्पादों पर प्रकाश डाला गया है उनमें से कुछ हैं: पैसिव नाइट साइट के लिए लेजर डैजलर, लाइटवेट लेजर टारगेट डिजाइनर (एलएलटीडी), कॉम्पैक्ट एयरबोर्न मल्टीसेंसर ऑप्टोनिक पेलोड (सीएएमओपी), इंटीग्रेटेड मल्टी-फंक्शन साइट (आईएमएफएस), बॉर्डर सर्विलांस सिस्टम (बीओएसएस) और हाइपरस्पेक्ट्रल पेलोड। यह एक स्थान पर 'सशस्त्र बलों के लिए वन स्टॉप इलेक्ट्रो-ऑप्टिक सॉल्यूशंस'।



डॉ बीके दास, ओएस और निदेशक, आईआरडीई, तथा श्री एल सी मंगल, ओएस और निदेशक, डील आईआरडीई झांकी के अनावरण के दौरान

टैगलाइन के साथ प्रयोगशाला के योगदान को दर्शाता है। इसका अनावरण 14 मार्च

2022 को किया गया था।

आईआरडीई में एयर कंप्रेसर यूनिट का उद्घाटन

डॉ बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, यंत्र अनुसन्धान एवं विकास प्रतिष्ठान (आईआरडीई), देहरादून ने 28 मार्च 2022 को आईआरडीई में मेडिकल ऑक्सीजन के उत्पादन के लिए एयर कंप्रेसर यूनिट की सुविधा का उद्घाटन किया। यूनिट में एयर प्रेशराइज्ड यूनिट और प्रेशर स्विंग सोखना (पीएसए) सिस्टम शामिल हैं। पृथ्वी के वायुमंडल में वायु लगभग 78 प्रतिशत नाइट्रोजन और 21 प्रतिशत ऑक्सीजन से बनी है। यह इकाई वायुमंडल से हवा लेती है और ऑक्सीजन को इससे अलग करती है। सबसे पहले, वायु-दबाव वाली इकाई हवा को 5 बार में संपीड़ित करती है और वातावरण की अशुद्धियों जैसे धूल, नमी आदि को वायुमंडलीय हवा से अलग करती है। अगले चरण में, दबाव स्विंग सोखना प्रणाली परिवेशी वायु से समृद्ध ऑक्सीजन गैस उत्पन्न करती है और मुख्य रूप से नाइट्रोजन को अवशोषित

करने के लिए कृत्रिम जिओलाइट आणविक छलनी की क्षमता का उपयोग करती है। जबकि नाइट्रोजन जिओलाइट की छिद्र प्रणाली में केंद्रित है, एक उत्पाद के रूप में ऑक्सीजन गैस का उत्पादन होता है। अंत में, सिस्टम द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक शुद्ध

ऑक्सीजन वितरित की जाती है। उत्पादित ऑक्सीजन के भंडारण के लिए एक हजार लीटर की क्षमता के साथ ऑक्सीजन भंडारण टैंक भी जुड़ा हुआ है। डॉ दास ने सुविधा की स्थापना के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की।



आईआरडीई में स्थापित एयर कंप्रेसर यूनिट

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के आगंतुक

केयर, बेंगलुरु

वाइस एडमिरल राजेश पेंडारकर, डीजी नेवल ऑपरेशंस ने 24 मार्च 2022 को कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु का दौरा किया। डॉ सुब्रत रक्षित ओएस एवं निदेशक, केयर द्वारा वार्ता के बाद भौगोलिक सूचना प्रणाली और नौसेना बलों के लिए कमांड और नियंत्रण प्रणाली पर केयर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों पर चर्चा और प्रदर्शन किया गया।।



वाइस एडमिरल राजेश पेंडारकर, महानिदेशक, नौसेना संचालन, निदेशक, सीएआईआर और अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ चर्चा करते हुए

केस्टिक, बेंगलुरु

डॉ जी सतीश रेड्डी, सचिव डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ, तथा सुश्री जे मंजुला, डीएस एवं डीजी (ईसीएस) ने 1 फरवरी 2022 को लड़ाकू विमान प्रणाली विकास और एकीकरण केंद्र (केस्टिक), बेंगलुरु का दौरा किया। श्री सीएच दुर्गा प्रसाद, वैज्ञानिक 'जी' और केंद्र प्रमुख, केस्टिक ने अध्यक्ष, डीआरडीओ को एलसीए विमान के लिए एएसपीजे पॉड विकास और कार्डिक की अन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और केंद्र में विकसित प्रौद्योगिकियों का भी प्रदर्शन किया।



डॉ जी सतीश रेड्डी, सचिव डीडी आर एंड डी और अध्यक्ष डीआरडीओ केस्टिक में अपनी यात्रा के दौरान

सीएएस, हैदराबाद

वाइस एडमिरल आर बी पंडित सी-इन-सी, मुख्यालय एसएफसी ने 7 फरवरी 2022 को उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएएस), हैदराबाद का दौरा किया। श्री बीवी पापा राव, ओएस और निदेशक, सीएएस ने उन्हें अग्नि-V और अग्नि-I प्राइम जैसी रणनीतिक मिसाइल प्रणाली की चल रही उत्पादन गतिविधियों और विभिन्न प्रमुख परीक्षण सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। श्री प्रवीण टंडन, वैज्ञानिक 'जी' ने सीएएस में चल रही उत्पादन गतिविधियों को प्रस्तुत किया।



सेंटर फॉर एडवांस्ड सिस्टम्स (सीएएस), हैदराबाद में वाइस एडमिरल आर बी पंडित

डील, देहरादून

* एयर मार्शल बी आर कृष्णा पीवीएसएम, एवीएसएम, एससी, सीआईएससी, मुख्यालय आईडीएस ने मेजर जनरल पीके एयरी, एवीएसएम, वीएसएम, डॉ चंद्रिका कौशिक, निदेशक डी आई एस बी, कमोडोर मनीष त्रिपाठी के साथ 19 मार्च 2022 को रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून का दौरा किया। ग्रुप कैप्टन अजय गुप्ता, श्री एल सी मंगल, निदेशक डील ने उन्हें विजन, मिशन, चार्टर और प्रौद्योगिकी फोकस क्षेत्र और प्रयोगशाला द्वारा विकसित उत्पादों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो (एसडीआर), एडवांस्ड सैटकॉम सिस्टम एंड टेक्नोलॉजीज, स्पेक्ट्रम मैनेजमेंट सिस्टम, नैटसैट, तापस के लिए डेटा लिंक, एस्ट्रा मार्क-II ईईडब्ल्यू एंड सीएस, एमटीसीएस और सीटीसीएस सहित प्रयोगशाला की प्रमुख परियोजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। विभिन्न फॉर्म फैक्टर, वेवफॉर्म पोर्टिंग और परिनियोजन, तकनीकी तत्वों और उच्च आश्वासन सुरक्षा वास्तुकला सहित एसडीआर गतिविधियों पर चर्चा की गई। एयर मार्शल कृष्णा ने एसडीआर सॉफ्टवेयर तत्व मानकीकरण तथा उद्योग एवं शिक्षा के बीच अपनी विशेषज्ञता बनाने पर जोर दिया। युद्ध से प्रेरित अनिश्चितता और प्रतिबंधों को देखते हुए, देश के भीतर हार्डवेयर के लिए फैब्रिकेशन सुविधा बनाने पर विचार-विमर्श किया गया।

उन्हें एसडीआर, मल्टीचैनल हब बेसबैंड सिस्टम, डेटा लिंक्स और ट्रोपोस्कैटर कम्यूनिकेशन सिस्टम सहित उत्पाद प्रदर्शन के लिए ले जाया गया। उन्होंने डील परिसर में एक पौधा भी लगाया। उन्होंने डील में की जाने वाली गतिविधियों में गहरी दिलचस्पी ली, बहुमूल्य सुझाव दिए और उच्च गुणवत्ता वाले संचार और निगरानी प्रणाली के विकास में डील द्वारा की गई प्रगति की सराहना की।



श्री एलसी मंगल, निदेशक, डील द्वारा एयर मार्शल बीआर कृष्णा को डील द्वारा विकसित उत्पादों के बारे में जानकारी दी गई

* एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी, एवीएसएम, वीएम, डिप्टी चीफ ऑफ एयर स्टाफ ने 14 मार्च 2022 को डील का दौरा किया। श्री एलसी मंगल, निदेशक, डील ने स्वागत किया और उन्हें प्रयोगशाला की विभिन्न चालू परियोजनाओं और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। निदेशक, डील ने एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी को एसडीआर, डेटा लिंक्स, जीसैट-6 टर्मिनलों और ट्रोपोस्कैटर संचार प्रणालियों के क्षेत्र में डील द्वारा विकसित की जा रही प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों के बारे में अवगत कराया।



डील द्वारा विकसित उत्पादों का प्रदर्शन करते हुए एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी

उन्हें प्रयोगशाला के दौरे के लिए भी ले जाया गया और डील द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।

डीएमआरएल, हैदराबाद

* आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के एक भाग के रूप में, रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने केंद्रीय विद्यालय, कंचनबाग के छात्रों की एक यात्रा का आयोजन किया। डॉ ए के सिंह, वैज्ञानिक 'जी' और डॉ एम फणी सूर्य किरण, वैज्ञानिक 'ई' ने तमहांकर में छात्रों को संबोधित किया और उसके बाद प्रयोगशाला के कुछ तकनीकी समूहों का दौरा किया।

* श्री एम के सिन्हा, आईपीएस, अपर डीजीपी, जम्मू-कश्मीर ने 3 मार्च 2022 को श्री गुरिंदर पाल सिंह, आईपीएस, अपर आईजी, जम्मू-कश्मीर पुलिस और डॉ एस के झा, सीएमडी, मिधानी के साथ एटीसी डीएमआरएल का दौरा किया। उन्होंने अपने बलों की विभिन्न आवश्यकताओं और डीएमआरएल द्वारा प्रदान किए जा सकने वाले समर्थन पर डॉ जी मधुसूदन रेड्डी, ओएस और निदेशक, डीएमआरएल और डीएमआरएल के सभी सह निदेशकों के साथ चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल को डीएमआरएल द्वारा विकसित विभिन्न सुरक्षात्मक कवच उत्पादों और बैलिस्टिक रेंज को भी दिखाया गया। यह यात्रा मिधानी, जम्मू-कश्मीर पुलिस और डीएमआरएल के बीच उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए एक समझौता ज्ञापन के अनुरोध के साथ संपन्न हुई।

आईआरडीई, देहरादून

श्री एस सी नारंग, पूर्व सीसी आर एंड डी (आर एंड एम) और अध्यक्ष सेप्टेम ने 15 मार्च 2022 को यन्त्र अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (आईआरडीई) का दौरा किया। डॉ बी के दास, ओएस एवं निदेशक, और आईआरडीई के अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने



डॉ एके सिंह तथा डॉ एम फानी सूर्य किरण केंद्रीय विद्यालय के छात्रों के साथ



श्री एमके सिन्हा, आईपीएस, अतिरिक्त डीजीपी, जम्मू-कश्मीर डीएमआरएल के उत्पादों में गहरी दिलचस्पी लेते हुए

श्री नारंग का स्वागत किया। श्री नारंग ने आईआरडीई डायमंड जुबली गैलरी का दौरा किया और गैलरी में प्रौद्योगिकी क्षेत्र, सिस्टम क्षेत्र, डाउन-द-मेमोरी लेन और लैब वाह क्षणों को देखकर अभिभूत हो गए। डॉ दास ने आईआरडीई द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों के बारे में विस्तार से बताया। श्री नारंग ने

आईआरडीई की ज्ञांकी भी देखी जो समुद्र, जमीन, पानी और अंतरिक्ष में आईआरडीई की उपस्थिति दर्शाती है। श्री नारंग इन घटनाओं को देखकर बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में आईआरडीई के प्रयासों की सराहना की।



डॉ बीके दास, ओएस एवं निदेशक, आईआरडीई, देहरादून; श्री एस सी नारंग, पूर्व सीसी आर एंड डी (आर एंड एम) और अध्यक्ष, सेप्टेम का आईआरडीई, देहरादून में यात्रा के दौरान अभिनंदन करते हुए

* एयर मार्शल बीआर कृष्णा, पीवीएसएम, एवीएसएम, एससी, और चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के अध्यक्ष, चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी (सीआईएससी) के साथ उनकी टीम में शामिल मेजर जनरल पीके एयरी, एवीएसएम, वीएसएम, कमोडोर मनीष त्रिपाठी और ग्रुप कैप्टन अजय सिंह ने 19 मार्च 2022 को आईआरडीई का दौरा किया। डॉ बी के दास, ओएस और निदेशक, आईआरडीई ने उनका स्वागत किया। डॉ दास ने आईआरडीई द्वारा की गई प्रमुख आर एंड डी पहल और आईआरडीई में विकसित प्रौद्योगिकियों को आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रस्तुत किया। उन्होंने विभिन्न उत्पादों के बारे में भी जानकारी दी जिन्हें विकसित और सेवाओं में शामिल किया गया है। डॉ दास ने इन्फ्रारेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम (आईआरएसटी), मिसाइल अप्रोच वार्निंग सिस्टम (एमएडब्ल्यूएस), और हाइपरस्पेक्ट्रल टेक्नोलॉजीज के साथ-साथ ऑप्टिकल शील्ड और ईओ सोल्जर जैसी भविष्य की तकनीकों और प्रणालियों को भी प्रस्तुत किया, जिसमें आईआरडीई विकास



एयर मार्शल बीआर कृष्णा, सीआईएससी; आईआरडीई हीरक जयंती दीर्घा का दौरा करते हुए

कार्य का नेतृत्व कर रहा है। सीआईएससी ने आईआरएसटी और एमएडब्ल्यूएस जैसी अत्याधुनिक प्रणालियों को विकसित करने के लिए आई आर डी ई के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने उत्पाद विकास चक्र को कम करने के लिए प्रयोगशाला में

एकीकृत परीक्षण सुविधा पर भी जोर दिया। विचार विमर्श से कई प्रकार के सुझाव सामने आये। प्रयोगशाला द्वारा विकसित किए जा रहे उत्पादों और प्रौद्योगिकियों से सीआईएससी बेहद प्रसन्न था।